fb/seemasandesh1951 seemasandesh1951@gmail.com 0141-2700113

1951 से स्थापित

सीमा सन्देश

ताकत किसान की, जवान की

वर्ष : 32 अंक : 106 मूल्य : रु. 2.00 पृष्ठ : 08

जयपुर, रविवार, 16 अक्टूबर, 2022

epaper.seemasandesh.in

आयोजन — आयुर्वेद प्रदर्शनी और चिकित्सा शिविर से लोग हुए लाभान्वित

सीरी में आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में कार्यशाला का आयोजन

पिलानी (सीमा सन्देश सं)। आजादी का अमृत काल के अंतर्गत देश भर में आयुर्वेद@2047 कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। आयुष मंत्रालय, भारत सरकार तथा सीएसआईआर मुख्?ालय के दिशानिर्देशानुसार सीएसआईआर-सीरी में 7वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में 14 अक्टूबर, 2022 को आयुर्वेद पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला डॉ पी बी कुमावत, अनुसंधान अधिकारी(आयुर्वेद), महाराणा शेखाजी क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, जयपुर ने 'जीवन शैली एवं आहार नियम' विषय पर रोचक एवं ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया।आयुष मंत्रालय द्वारा आयुर्वेद@2047 कार्यक्रम के लिए केंद्रीय विषय 'हर दिन हर घर आयुर्वेद' रखा गया है।इस कड़ी में संस्थान में आयोजित कार्यशाला की अध्यक्षता डॉ अभिजीत कर्माकर, मुख्य वैज्ञानिक ने की। अपने स्वागत एवं अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने कहा कि देशभर में विगत 12 सितंबर से 23 अक्टूबर 2022 तक आयुर्वेद@2047 महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। स्वदेशी चिकित्सा पद्धति में आयुर्वेद की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कोविड से लड़ने में आयुर्वेद एवं अन्य स्वदेशी पद्धतियों की भूमिका को रेखांकित किया। अपने सारगर्भित व्याख्यान में मुख्य अतिथि डॉ कुमावत ने कहा कि आयुर्वेद स्वस्थ व्यक्ति को स्वस्थ रखने और अस्वस्थ व्यक्ति की चिकित्सा पद्धति का नाम है। अनुशासित दिनचर्या को अच्छे स्वास्थ्य का आधार बताते हुए उन्होंने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए आदर्श आहार के साथ-साथ भोजन एवं आहार का समय भी निश्चित होना अनिवार्य है।इस अवसर पर उन्होंने शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक बातों पर भी प्रकाश डाला। व्याख्यान के उपरांत उपस्थित सहकर्मियों ने आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य पर प्रश्न पूछे और विशेषज्ञ अतिथियों ने उत्तर दे कर उनकी जिज्ञासा को शांत किया। इसके बाद डॉ कर्माकर ने मुख्य अतिथि डॉ कुमावत एवं उनके सहयोगी डॉ सुहास चौधरी को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।प्रशासन नियंत्रक श्री जय शंकर शरण ने धन्यवाद ज्ञापित किया। अपने संबोधन में उन्होंने बताया कि भगवान धन्वंतरि आयुर्वेद के जनक थे। संक्षिप्त संबोधन में उन्होंने राष्ट्रीय आदुर्वेद दिवस मनाने की पृष्ठभूमि पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का संचालन श्री रमेश बौरा, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी ने किया।सायंकालीन सत्र में संस्थान परिसर के गांधी हॉल में चिकित्सा शिविर एवं आयुर्वेद प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। चिकित्सा शिविर एवं आयुर्वेद प्रदर्शनी का उद्घाटन संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने किया। चिकित्सा शिविर एवं आयुर्वेद प्रदर्शनी में 300 से अधिक लोगों ने चिकित्सकीय परामर्श और दवाएं प्राप्त कीं।

स्वामी सीमा संदेश के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं प्रधान संपादक ... कुमार शर्मा द्वारा जे-2 झालाना संस्थानिक क्षेत्र, झालाना डूंगरी, जयपुर- 302004 से प्रकाशित एवं सीमा सन्देश मुद्रणालय, जे-2 झालाना संस्थानिक क्षेत्र, झालाना डूंगरी, जयपुर- 302004 से मुद्रित। फोन 2700113, आरएनआई रजि. नं. 48910/91